राजकीय महाविद्यालय जक्खिनी, वाराणसी

(अर्थशास्त्र विभाग)

सत्र:2023-24

स्नातक(NEP) तृतीय वर्ष: पंचम सेमेस्टर हेतु प्रोजेक्ट-निर्माण हेतु-दिशा निर्देश

(ई-कंटेंट के माध्यम से)

प्रश्नपत्र का नाम: कंप्यूटर एप्लीकेशन इन इकोनॉमिक्स(PROJECT)

शोध/प्रोजेक्ट निर्देशक का नाम - डॉ.स्वर्णिम घोष

(विशिष्टता-गणितीय अर्थशास्त्र /MATHEMATICAL ECONOMICS)

अर्थशास्त्र विभाग

राजकीय महाविद्यालय जक्खिनी, वाराणसी-221305

MOBILE NO. 9451218739

EMAIL: swarnimghosh@gmail.com

परियोजना(प्रोजेक्ट प्रारूप)

शीर्षक पृष्ठ -

प्रतिभागियों/छात्र-छात्राओं द्वारा घोषणा-

निर्देशक/पर्यवेक्षक/प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र-

आभार-

अनुक्रमणिका-

1.विषय का व्यापक क्षेत्र	छात्र-छात्राओं/प्रतिभागियों की रूचि के अनुसार चयनित क्षेत्र
2.उपयुक्त ग्रामीण विकास से सम्बंधित शीर्षक का चयन	सकारात्मक वाक्य के रूप में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रोजेक्ट शीर्षक का चयन| जैसे; (अ)ग्राम-जक्खिनी, जनपद-वाराणसी के परिवारों की शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति का एक अध्ययन|

Dr. SWARNIM GHOSH

	(ब)नोटबंदी एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रभाव: एक मूल्यांकन (स)डिजिटल भारत,सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा ग्रामीण भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव: एक सर्वेक्षण (द)ग्राम-जक्खिनी, जनपद वाराणसी में संचालित लघु एवं कुटीर उद्योग की दशा एवं दिशा: एक सर्वेक्षण (य)भारत में जनसंख्या नीति एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम : एक समीक्षात्मक मूल्यांकन (द)ग्राम-जक्खिनी, जनपद वाराणसी में कृषि की भूमिका, स्वरुप, महत्त्व एवं फसलों के ढाँचे का अध्ययन| (र)उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास-संभावनाएं व समस्याएं: एक सर्वेक्षण (जनपद वाराणसी के विशेष सन्दर्भ में) (ल)जनपद वाराणसी में ग्रामीण विकास हेतु चलाये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का समीक्षात्मक मूल्यांकन (च)जनपद वाराणसी में निर्माण उद्योग में कार्यरत महिला श्रमिकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन| (छ)ग्राम-जक्खिनी, जनपद वाराणसी में विभिन्न आय वर्गों में कैशलैस भुगतान की प्रवृतियां : एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन (ज)कोरोना महामारी में जनपद-वाराणसी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की उपादेयता (नोट: छात्र-छात्राएं मेरे द्वारा सुझाए गये विषयके अतिरिक्त अपनी सुविधा, सरलता व रूचि से कोई एक ग्रामीण विकास व अर्थशास्त्र सम्बन्धी विषय चुन सकते हैं|
3.परिचय/प्रस्तावना/आमुख	विषय की आवश्यकता, महत्त्व और औचित्य का विवरण
4.प्रोजेक्ट निर्माण सम्बन्धी विषय से संदर्भित प्रश्न (शोध प्रश्न या समस्या)	अपने चयनित प्रोजेक्ट से सम्बंधित प्रोजेक्ट प्रश्न बनाएं जिसका आप अपने प्रोजेक्ट-कार्य में अध्ययन करना चाहते हैं| (विशेषताएं: स्पष्ट व केन्द्रित होनी चाहिए तथा प्रोजेक्ट विषय से सम्बंधित शोध योग्य और व्यवहार्य होनी चाहिए)

Dr. SWARNIM GHOSH

5.प्रोजेक्ट का उद्देश्य	अपने चयनित प्रोजेक्ट विषय व प्रोजेक्ट प्रश्न के अनुरूप ही अपने परियोजना का उद्देश्य लिखें
6.उपलब्ध साहित्य की समीक्षा	इस सम्बन्ध में ध्यानपूर्वक जितना भी कार्य आपके चयनित विषय से सम्बंधित हो चूका है उसको सारांश के रूप में लिखें अर्थात प्रोजेक्ट शीर्षक से सम्बंधित अवधारणा, इतिहास, नियमों, मान्यताओं एवं सिद्धांतों के अध्ययन के साथ-ही सारांश के रूप में अपने प्रोजेक्ट विषय से सम्बंधित पिछले अध्ययनों का पता लगाकर, उपलब्ध तथ्यों को क्रमवार लिखें|
7.प्रयुक्त शब्द की कार्यात्मक परिभाषा	अपने परियोजना के उद्देश्यों, परियोजना विषयों व लक्षित समूह में प्रयुक्त प्रमुख शब्दों आदि का संक्षिप्त विवरण दें|
8.आंकड़ों का संग्रहण (COLLECTION OF DATA)	आंकड़ों के संग्रहण से आप क्या समझते हैं? पहले इसका उल्लेख करेंगे| फिर, इन्हें परिभाषित करेंगे| अपने परियोजना कार्य के सम्पादन हेतु आप जिस भी प्रकार के संमकों या आंकड़ों(DATA) का प्रयोग करेंगे यथा; प्राथमिक आंकड़ा और द्वितीयक आंकड़ा या दोनों उसका उल्लेख करेंगे| आंकड़ों के संग्रह की निरंतरता में इसके बारे में कुछ विशिष्ट जानकारी और विवरण का भी उल्लेख करना आवश्यक होता है| ध्यान दे: जैसे: लक्षित समूह: जिस समूह से आपने आंकड़ों को एकत्र या संकलन किया| मुख्य चर: उपयोग किये गये मुख्य चर के नाम का उल्लेख करें| प्रोजेक्ट उपकरण : आंकड़ा संग्रहण के लिए उपयोग किये जाने वाले रिसर्च टूल का विवरण दीजिये जिसे; इंटरव्यू, फोकस ग्रुप, डिस्कशन, फोटोग्राफी, विडियो सर्वे, प्रश्नावली व अनुसूची निर्माण, केस स्टडीज आदि रिसर्च टूल को परिभाषित करें| रिसर्च टूल के लिए आइटम फ्रेमिंग आवश्यकतानुसार अद्यतन करें| टूल की आवश्यकता के अनुसार ही निर्देश तैयार करें| जनसंख्या(समग्र)POPULATION- ध्यान दें जनसंख्या के सामान्य अर्थ से अलग सांख्यिकी में जनसंख्या या समग्र का अर्थ अलग है(अनुसधान के लिए निर्धारित

Dr. SWARNIM GHOSH

	समस्त क्षेत्र जिनका हमें अध्ययन करना है, परिमित(FINITE) समग्र है या अपरिमित(INFINITE)| जनसंख्या या समग्र को परिभाषित करें| अपने परियोजना कार्य के अनुसार जनसंख्या का समुचित संक्षिप्त विवरण दे| शोध-विधि के चयन हेतु प्रयोग की गई न्यादर्श या प्रतिदर्श(SAMPLE) एवं प्रतिचयन तकनीक(SAMPLING TECHNIQUE) यथा; सविचार निदर्शन, देव प्रतीचयन, स्तरित प्रतिचयन, बहु-स्तरीय देव प्रतिचयन, अभ्यंश प्रतिचयन आदि को बताने से पहले प्रतिदर्श या न्यादर्श का अर्थ बताएं, फिर अपने परियोजना कार्य में प्रयुक्त प्रतिदर्श प्रकारों का संक्षिप्त विवरण दे|
9.आंकड़ों या संमकों का विश्लेषण(DATA ANALYSIS)	इस सम्बन्ध में, सांख्यिकीय उपकरणों का चयन प्राथमिक आंकड़ों के विश्लेषण के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं का उल्लेख करें:- आंकड़ों के विश्लेषण की आवश्यकता क्यों पड़ी? आंकड़ों के विश्लेषण के महत्त्व और उसके उद्देश्यों का विवरण दें, आंकडें या डेटा के विश्लेषण से उपयोगी जानकारी निकालें और आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर ही महत्त्वपूर्ण निहितार्थ तक पहुंचें| आंकड़ों के संग्रह के पश्चात आंकड़ों का सम्पादन, आंकड़ों का वर्गीकरण(CLASSIFICATION), सारणीयन(TABULATION) की सहायता से विश्लेषण कीजिये| प्रोजेक्ट प्रश्नों या समस्या का उत्तर देने के लिए आंकड़ों के सारांश का वर्णन कीजिये जिससे आपके द्वारा संकलित डेटा के पैटर्न व प्रवृतियों का पता लगाया जा सकेगा| आंकड़ों के विश्लेषण के प्रकार आपके द्वारा उपयोग किये जा रहे रिसर्च उपकरणों के आधार पर उदाहरण के लिए, वर्णनात्मक व अनुमानात्मक, प्रयोगात्मक, निदानात्मक और डाटा का आधार मात्रात्मक या परिमाणात्मक(QUANTITATIVE)तथा

Dr. SWARNIM GHOSH

	गुणात्मक(QUALITATIVE) या दोनों हो सकता है| उदाहरण के लिए, वर्णनात्मक विश्लेषण जो कि डाटा विश्लेषण का एक प्रकार है और जो डाटा का सार्थक तरीके से वर्णन करने, प्रदर्शित करने एवं सारांशित करने में मदद करता है| इस विश्लेषण में हम परास(RANGE), आवृति(FREQUENCY)तथा केन्द्रीय प्रवृत्ति(CENTRAL TENDENCY: MEAN, MEDIAN, MODE,STANDARDDEVIATION,CORRELATION ETC.) अर्थात माध्य, माध्यिका और बहुलक, मानक विचलन, सहसंबंध का उपयोग करते हैं| साथ ही चित्रमय प्रदर्शन, आरेख व रेखांकन का प्रयोग करते हैं| यह हमें डाटा को अधिक सार्थक तरीके से प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है| तथा साथ-ही-साथ यह डाटा की सरल व्याख्या करने में भी सहायक होता है| इसके साथ ही शोध प्रश्न या प्रोजेक्ट प्रश्न अर्थात परिकल्पनाओं(शून्य तथा वैकल्पिक) /उप्कल्प्नाओं (HYPOTHESIS TESTING) हेतु/के सत्यापन के लिए टूल्स के रूप में स्टूडेंट t-test, F-test, Chi-Square test, ANOVA, आदि का उपयोग किया जाता है तथा आंकड़ों के सुगमता से विश्लेषण हेतु अर्थशास्त्र सम्बन्धी शोध में कम्पूटर टूल्स का उपयोग किया जाता है|
10.सारांश, निष्कर्ष और सुझाव (SUMMARY, CONCLUSION & RECOMMENDATIONS)	अपने प्रोजेक्ट के बारे में संक्षिप्त विवरण या परियोजना के कुछ मुख्य बिंदु, रिसर्च FINDINGS, या विस्तृत अवलोकन (संक्षेप में, अध्ययन की आवश्यकता और औचित्य, अध्ययन हेतु उपयोग की गई विधि, और अंतिम अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष क्या है? परिणाम क्या है? इसका वर्णन करते हुए अपना सुझाव/मन्तव्य आदि का विवरण दिया जाता है|
11.परिसीमन या सीमाएं(LIMITATIONS)	विस्तृत लेकिन संक्षिप्त शब्द में अपने प्रोजेक्ट के अध्ययन-क्षेत्र इत्यादि की प्रत्येक सीमा का उल्लेख करें; समझाएं कि प्रत्येक सीमा क्यों मौजूद है; कारण बताएं कि प्रत्येक सीमा को दूर क्यों नहीं किया जा सकता है|

Dr.SWARNIM GHOSH

सन्दर्-ग्रन्थ सूची (BIBLIOGRAPHY)	ग्रन्थ सूची का मुख्य उद्देश्य उन लेखकों को श्रेय देना है जिनके काम से आपको अपनी परियोजना/प्रोजेक्ट को पूर्ण करने में सहायता मिली है| साथ ही द्वितीयक स्त्रोतों के रूप में newspaper, websites, पत्र-पत्रिकाएँ(योजना, कुरुक्षेत्र, आर्थिक सर्वेक्षण, सरकारी बुलेटिन, सरकारी दस्तावेज, आदि) के बारे में दिनांक, संस्करण, पेज संख्या के साथ बताना है| ग्रन्थ-सूची उन सभी स्त्रोतों की सूची होती है जिनका प्रयोग हम अपने प्रोजेक्ट विषय के बारे में विभिन्न विचार इकट्ठा करने के लिए करते हैं| ग्रन्थ-सूची में हम मुख्यतः 7 बिन्दुओं जैसे; लेखकों का नाम, उनके कार्यों का शीर्षक, वर्ष, अंक, प्रकाशक आदि का उल्लेख करते हैं|
अनुलग्नक/अनुबंध (ANNEXURE)	इस सम्बन्ध में हम अपना साक्षात्कार व अनुसूची तथा विभिन्न प्रकार के परिशिष्टों को लगाते हैं|

नोट: प्यारे बच्चों! आशा है आप उपर्युक्त प्रोजेक्ट-फॉर्मेट से लाभान्वित होकर अपने प्रोजेक्ट सम्बन्धी विषयों का चयन कर तथ्यों का संकलन कर प्रोजेक्ट बनाना शुरू कर देंगे| यह ई-कंटेंट वृहत परियोजना कार्य/निर्माण हेतु बी.ए.तृतीय वर्ष-षष्ठ सेमेस्टर में भी आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा| अगले ई-कंटेंट में अर्थशास्त्र शोध/परियोजना निर्माण हेतु कंप्यूटर एप्लीकेशन के किस-किस टूल्स का और कहाँ अर्थात् किस प्रकार के न्यादर्श(SAMPLE) के लिए उपयोग किया जाता है? विस्तार से बताया जाएगा| परिकल्पना जांच करने की विधि सभी छात्र-छात्राएं कक्षा में सीखेंगे|

जय हिन्द! जय भारत!!

Dr. SWARNIM GHOSH